ओम् शांति

बापदादा समान, सारे विश्व के आधारमुर्त, स्वयं भगवानने सिलेकट की हुइ कोटो में कोई, पदमा पदम भाग्यशाली फरिश्ता स्वरुप दिव्य आत्माओं को गांधीनगर की रुहानी फुलवारी सहित कैलाश पहाडी की ईश्वरीय मधुर याद स्वीकारना जी ।

बापदादाने इस सीजन की टोटल 7 वाणीयां अभी तक चलायी हैं । 69 से बापदादाने अव्यक्त पार्ट द्वारा अगली सीजन तक लंबी वाणीयां चलायी है लेकिन पहली बार बापदादाने इस सीजन में बहुत छोटी वाणीयां चलायी है । फिर भी बहुत गहराई वाली बातें उसमें है । इन 7 वाणीयों में समय के जो गंभीर इशारे उच्चारण किये है वह साथ में भेज रहे है जिसे बार-बार पढने से माया के अलबेलेपन के वातावरण से मुक्त होकर आत्मा तीव्र पुरुषार्थ के लिए अेलर्ट रहती है ।

समय के गंभीर ईशारे

(30-11-2012 से 9-3-2013)

30-11-12

- तो आज सिर्फ बच्चों का दिल का उल्हना पूर्ण करने के लिए आये हैं। आप सभी का भी उल्हना तो पूरा हुआ ना! आगे जैसे ड्रामा निमित्त बनायेगा ऐसे मिलते रहेंगे। आज इतना ही ड्रामा में मिलन है।
- अभी आते रहेंगे और मिलते रहेंगे। अच्छा।
- अब आगे जो ड्रामा में होगा मिलते रहेंगे।
- अब ऐसी कमाल दिखाओ,दुनिया में हलचल और हलचल को अचल बनाने वाले निमित्त आप हो। वह अपना कार्य नहीं छोड़ते तो आप भी अपने को निमित्त समझ वह हलचल आप अचल, दोनों साथ-साथ पार्ट बजाओ।
- (ऐसे दोनों दादियों के साथ ही क्यों हुआ) यह उत्तर ड्रामा देगा। ड्रामा। अभी इसके आगे तो कोई नहीं बोल सकता। ड्रामा, ड्रामा ही है।

15-12-12

- बापदादा देखेंगे।फिर कभी तेरे को मेरा तो नहीं कर देते हो? अगर अभी भी थोड़ा बहुत रह गया हो तो फिकर को दे फखुर ले लो क्योंकि दिन प्रतिदिन विश्व में भय तो बढ़ने वाला है लेकिन आप सभी बाप के बच्चे बेफिक्र बादशाह बन औरों को भी फिकर से दूर करेंगे।
- अपना राज्य नजदीक लाते चलो ।
- लेकिन पुरुषार्थ करके ऐसी सहज सफल होनेवाली दवाई माना मन्त्र, ऐसा निकालो जो दिनप्रतिदिन अभी दु:ख तो बढ़ना ही है, हलचल तो होनी है ।
- जैसे समय अभी और नाजुक होने वाला है ।
- आप तो एवररेडी हो ना? एवररेडी हो कोई भी समय आवे, कैसा भी समय आवे लेकिन ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी हर एक हर समय पर सदा खुश रहे। ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी की खुशी गायब नहीं हो ।
- बापदादा रिजल्ट देखेंगे, तो समय पर भी बेफिक्र बादशाह। बेफिक्र भी बादशाह भी। छोटी बातें भी बड़ी बातें भी आनी तो हैं, लेकिन ब्रह्माकुमार और कुमारियों के लिए कोई बड़ी बात नहीं, कल्प-कल्प देखी हुई है। कल्प-कल्प पास किया है। ऐसे अनुभवी बन अब भी ऐसे पास हो जायेंगे जैसे खेल हो। ऐसी हिम्मत है ना। हिम्मत है!
- आगे जो ड्रामा में होगा वह होता रहेगा।

31-12-12

- उसी हिसाब से समय की आवश्यकता अनुसार अभी हर स्थान निर्विघ्न होना आवश्यक है। चाहे सेवास्थान है, चाहे अपने प्रवृत्ति में हैं, हर स्थान निर्विघ्न सन्तुष्टता की शक्ति से सम्पन्न हो। समय की रफ्तार तो देख रहे हो। तो बापदादा ने देखा सन्तुष्टता की शक्ति चाहे स्वयं में, चाहे संगठन में अभी अटेन्शन देने की आवश्यकता है।
- क्योंकि दुनियामें दिन प्रतिदिन असन्तुष्टता बढ़नी ही है, उसके लिए अपने को देखें कि मैं सारा दिन सन्तुष्टमणि रही या रहा? इसका सहज साधन है फॉलो ब्रह्मा फादर क्योंकि आजकल दुनिया में असन्तुष्टता बढ़नी ही है।
- अगर हर एक सन्तुष्ट रहेगा तो चारों ओर क्या होगा! वाह वाह! का गीत बजेगा।
- तो यह वर्ष चारों ओर सन्तुष्टमणियों की लाइट कितनी चमक रही है, यह रिजल्ट देखेंगे।
- देहली वालों को तो राजधानी तैयार करनी है क्योंकि सभी को राज्य तो करना है ना, तख्त पर भले नहीं बैठें, लेकिन होंगे तो राज्य अधिकारी।

- सेवा का उमंग उत्साह चारों ओर है और यह सेवा का उमंग बढ़ाते जायेंगे तो क्या होगा? भारत महान बन जायेगा।
- क्योंकि आप निर्विघ्न बनेंगे तो उसका वायुमण्डल विश्व में फैलेगा। सारी विश्व परिवर्तन होनी है।
- उमंग सभी को है लेकिन निर्विघ्न,यह रिपोर्ट आवे हर ज़ोन निर्विघ्न है, नम्बरवन पुरुषार्थी है क्योंकि आपका वायब्रेशन दुनिया तक जाये। आप लोग अगर पुरुषार्थ में आगे जायेंगे तो उसका वायब्रेशन दुनिया के दु:खी लोगों तक पहुंचेगा। आजकल तो कितना दु:ख बढ़ रहा है! कारण ही ऐसे बनते हैं जो दु:ख ही दु:ख फैल जाता है।

18-1-13

- अब बापदादा यही चाहते हैं समय को तो सब जानते ही हो। समय कहाँ जा रहा है, यह सब जानते हैं। तो समय को देखते बापदादा की अचानक की बातें याद करो। बापदादा की यही दिल की आश है एक भी बच्चा पीछे न हो, साथ रहे, साथ चले। साथ रहना स्थूल नहीं, लेकिन दिल से सदा श्रीमत पर चलना, यही सदा साथ है। तो अभी समय प्रमाण जैसे प्यार होता है तो समझते हैं साथ रहें, साथ रहना स्थूल में तो हो नहीं सकता लेकिन जो बाप चाहता है, परिवार साथी चाहते हैं उसमें समान और साथी बनके चलना यही साथ है।
- बाप अभी चाहते हैं कि आप बच्चे स्वयं सम्पन्न बन समय को समीप लाओ। ब्रह्मा बाप भी आवाह्न कर रहे हैं आओ बच्चे साथ चलें अपने राज्य में। आत्माओं को भी मुक्ति का गेट खुलवाकर मुक्ति का पार्ट बजाने दो। किसको राज्य, किसको मुक्ति।
- अब क्या करना है? अब जो बापदादा और आपकी भी चाहना यही है कि सब सम्पन्न और सम्पूर्ण बन जायें। इस कदम को और तीव्र करो। आपको भी पसन्द है ना! दु:ख अशान्ति अपने भाई बहनों की सुनते अच्छी नहीं लगती है ना! अब आपस में मिलके और बातों में समय न देके यह प्लैन बनाओ। चारों ओर सम्पन्न सम्पूर्ण बनने का उमंग-उत्साह हो। ब्रह्मा बाप यही चाहते हैं मेरा एक-एक बच्चा मेरे समान सम्पन्न बन जाये। यह ब्रह्मा बाप की आशा पूर्ण तो करेंगे ना!
- अभी परिवर्तन जल्दी-जल्दी करना पड़ेगा।
- आखिर भी सभी को कितने भी बड़े हैं, क्या भी हैं लेकिन आखिर तो जय शिव शक्तियां कहना ही पड़ेगा।
- देखो ड्रामानुसार जब बच्चे आये थे उनसे 100 साल पहले यह साइंस ने तरक्की की, तो अभी भी देखो यह साइंस आपके काम में आ रही है।

2-2-13

- आज विश्व की आत्मायें अपने-अपने कार्य करते हुए खुशी के बजाए अनेक सरकमस्टांश में अपने को मजबूर समझती हैं। मजबूर को मजबूत करो। खुशी बांटो। संसार की हालत तो देख ही रहे हैं लेकिन अपने को न्यारा और बाप का प्यारा बन उस प्यार में लवलीन रहो।
- क्योंकि आज विश्व को आवश्यकता है अपने खुशनुमा जीवन की। तो एक-एक अनेक आत्माओं को परिचय दे इस भारत को जैसे भारत ऊंचा था, वैसे बनाना है।
- उल्हना नहीं दें कि हमको तो आपने बताया ही नहीं क्योंकि समय पर कोई भरोसा नहीं, कुछ भी होना है अचानक होना है। यह अचानक की बात सभी को ध्यान में रखनी है। अपना भविष्य और औरों का भविष्य जितना बनाना चाहो अभी चांस है।
- आगे बढ़ भी रहे हो लेकिन रफ्तार को और तेज करो।
- अब दु:ख से छुड़ाओ। अब अपना राज्य आने दो।

20-2-13

- लेकिन सबसे बड़े ते बड़ा खजाना है इस संगम समय का खजाना। इसका महत्व बहुत बड़ा है क्योंकि संगम के समय पर ही बाप शिवबाबा, बाप रूप में भी मिलता, शिक्षक रूप में भी मिलता और सतगुरू रूप में भी मिलता।
- किसी को आगे के लिए तो बापदादा अटेन्शन दिलायेगा।
- अभी बापदादा हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थी देखने चाहते हैं। तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् सब सबजेक्ट में अपने पुरुषार्थ से सन्तुष्ट हों और बापदादा भी हर बच्चे से यही चाहते हैं कि अभी समय अनुसार हर बच्चे के चेहरे पर शक्तियां और खुशी नज़रआनी चाहिए क्योंकि दिन-प्रतिदिन दुनिया में दु:ख तो बढ़ना ही है। लेकिन ऐसे दु:ख के समय आपका खुशनुमा, दिव्यगुण वाला चेहरा देख उन्हों को थोड़े समय के लिए भी खुशी का अनुभव हो। हर एक बच्चे के चेहरे में वह ईश्वरीय स्नेह,ईश्वरीय प्यार, हिम्मत बढ़ाने का प्यार, खुश रहने का अनुभव हो।
- अभी अपने-अपने स्थान पर जाके अपने चेहरे से ऐसे खुशमिजाज़ चेहरे का अनुभव कराना क्योंकि आज दुनिया में खुशी अभी कम होती जाती है और आपका चेहरा उनको खुशी का अनुभव कराये। आगे चलके दु:ख अशान्ति तो बढ़नी ही है। समय नहीं मिलेगा इतना कोई को सुनने वा कोर्स करने का लेकिन आपका चेहरा उन्हों को खुशी का अनुभव कराये।

9-3-13

- क्योंकि बाप का वायदा है कि सदा साथ रहेंगे, साथ चलेंगे, साथ राज्य में आयेंगे।
- अभी बापदादा 5 मिनट एक-एक बच्चा पावरफुल याद में बैठ जाये, कोई संकल्प नहीं। अच्छा। रोज़ ऐसे बीच-बीच में 5 मिनट बिल्कुल अशरीरीपन का अनुभव करते चलो क्योंकि समय आगे बहुत नाज़ुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा, कन्ट्रोलिंग पावर नहीं होगी तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे इसलिए बीच-बीच में दो मिनट, एक मिनट,5 मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपने दिनचर्या के प्रमाण अवश्य करते चलो, कन्ट्रोलिंग पावर। सभी आसपास वाले,देश वाले, विदेश वाले बापदादा भी देख रहे हैं इस समय सभी का अटेन्शन मैजारिटी का मधुबन में है। तो रोज़ अपनी प्रैक्टिस करते रहना। ऐसा समय आयेगा जो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी इसलिए अपने समय प्रमाण अशरीरी बनने का अभ्यास जरूर करो।
- वह दिन भी आयेगा जो बाप का झण्डा हर एक अनुभव करेगा कि यह मेरा बाप है। सबके मुख से निकलेगा, मेरा बाप, मीठा बाप, प्यारा बाप आ गया।